Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) ____________________

(Name) ____________________

2. (Signature) ____________________

(Name) ____________________

Roll No. | | | | | | | | |

(In figures as per admission card)

Roll No. ____________________

(In words)

Test Booklet No.

J—1608

PAPER—III

MUSIC

Time : 2½ hours] **[Maximum Marks : 200**

Number of Pages in this Booklet : **40** Number of Questions in this Booklet : **26**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answers to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

   No Additional Sheets are to be used.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Test Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the question booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your name or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the Test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
9. **Use of any calculator or log table etc. is prohibited.**
10. **There is NO negative marking.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुये रिक्त स्थान पर ही लिखिये।

   इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ / प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले ले। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।**
4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है।
6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें।
8. **केवल नीले / काले बाल प्वाईंट पैन का ही इस्तेमाल करें।**
9. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।**
10. **गलत उत्तर के लिए अंक नहीं काटे जायेंगे।**

MUSIC

संगीत

PAPER – III

प्रश्न-पत्र – III

NOTE: **This paper is of two hundred (200) marks containing four (4) sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.**

नोट : यह प्रश्नपत्र दो सौ (200) अंको का है एवं इसमें चार (4) खंड है। अभ्यर्थियों को इन में समाहित प्रश्नों का उत्तर अलग दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार देना है।

SECTION - I

खण्ड – I

Note : Read the following paragraph and answer all the five questions given below. Each questions is to be answered in 30 words. Each question carries five 5 marks.

(5x5=25 marks)

नोट : निम्नलिखित अनुच्छेद को पढ़कर नीचे दिये गये पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 30 शब्दों में देना अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न 5 अंकों का है।

(5x5=25 अंक)

In Indian classical music, relation between the notes and fixed 'LAYA' and 'TALA' makes the total harmony of music. Only the lyrics of the song is the outward beauty and when the tune with definite speed 'LAYA' mix with BANDISH then beauty of soul revealed out. At the same time when musical embellishment mixed with proper 'SWARA' and LAYA then only aesthetic beauty emerges in music. Improvisation and expression in tune is more important rather than the lyrics of bandish in Indian Classical Music. The basic element of music is fascinating 'NAD'.

For over whelming music creation only be possible with proper 'KAKOO PRAYOG' fluency of sweet melody of SWARA and LAYA. This is only the aesthetical aspect of Indian Classical Music.

''शास्त्रीय संगीत में स्वरों के परस्पर संवाद तथा लय ताल के घेरे में बंधी हुई उनकी क्रमिक बढ़त संगीत को प्रभावशाली, रुचिकर व सुन्दर बनाने में उत्तरदायी होती है। सांगीतिक संरचना या बन्दिश केवल उसका बाह्य शरीर होती है। परन्तु स्वरों की लयात्मक बढ़त उसकी आत्मा होती है। अत: जब अनेक अलंकरणों के साथ स्वर व लय एक-दूसरे में समाहित होकर एकरूप हो जाते हैं तभी संगीत में सौंदर्यात्मक लक्षण उभर पाते हैं। शास्त्रीय संगीत में बन्दिश के शब्दों की अपेक्षा स्वर विस्तार के माध्यम से भावों का अभिव्यक्तकरण अधिक महत्वपूर्ण होता है। संगीत का आधार ही चित्ताकर्षक नाद है। काकु प्रयोग के साथ मधुर ध्वनि प्रवाह, स्वरात्मक लय व लय से अनुप्राणित स्वर आदि के मधुर सम्मिश्रण से ही आनन्ददायी संगीत की निर्मिति संभव है। यही भारतीय शास्त्रीय संगीत का सौन्दर्यशास्त्रीय पक्ष है।''

1. What is the importance of mutual Harmony of swaras in Indian classical music ?
भारतीय शास्त्रीय संगीत में स्वरों के परस्पर संवाद की बढ़त का क्या महत्व है?

2. What do you meant by Rhythmic development of Swaras ?
स्वरों की लयात्मक बढ़त से आप क्या समझते हैं?

3. What do you meant by 'KAKOO PRAYOG' ?
'काकु प्रयोग' से आप क्या समझते हैं?

4. How 'KAKOO PRAYOG' works in Music ?
संगीत में 'काकु प्रयोग' किस प्रकार होता है?

5. What is the aesthetical aspect of Indian Classical Music ?

भारतीय शास्त्रीय संगीत का सौन्दर्यशास्त्रीय पक्ष क्या है?

SECTION - II

खण्ड – II

Note : This section contains fifteen (15) questions each to be answered in about thirty (30) words. Each question carries five (5) marks.

(5x15=75 marks)

नोट : इस खंड में पंद्रह (15) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंकों का है।

(5x15=75 अंक)

6. What are the features of Jaati ? Describe.
जाति की क्या विशेषताएँ हैं? वर्णन कीजिए।

7. Explain Tappa.
टप्पा को स्पष्ट कीजिए।

8. Explain Pallavi.
पल्लवी को स्पष्ट कीजिए।

9. Who was Abdul Karim Khan and to which Gharana he belonged ?
अब्दुल करीम खाँ कौन थे और किस घराने से सम्बन्धित थे?

10. Give a short description of the Marg and Deshi Tal.

मार्ग तथा देशी तालों का संक्षिप्त विवेचन कीजिये।

11. Write in short on any two of the following dance forms.
Bharatnatyam, Manipuri, Kathakali, Kathak.

निम्न में से किन्हीं दो नृत्य शैलियों पर संक्षिप्त में लिखिए :
भरतनाट्यम, मणीपुरी, कथकली, कत्थक

12. Write in short in any two of the following.
Peshkar, Swar, Lavani, Bhatiyali, Kirtan.

निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त में लिखिए।
पेशकार, स्वर, लावणी, भटियाली, कीर्तन

13. Write in short 'Guru-Shishya' Parampara.

'गुरु-शिष्य' परम्परा पर संक्षिप्त में लिखिए।

14. What is meant by beauty in music ?
संगीत में सौन्दर्य से क्या तात्पर्य है?

15. Write in short about Ravindra Sangeet.
रवीन्द्र संगीत के विषय में संक्षिप्त में लिखिए।

16. Explain Layakari with example.
लयकारी को उदाहरण सहित समझाइए।

17. Explain contribution of Acharya K.C.D. Brihaspati in Music.
आचार्य के.सी.डी. बृहस्पति के संगीत के योगदान को समझाइए।

18. Describe in brief the Musical Contribution of your favourite artist.
अपने प्रिय कलाकार के सांगीतिक योगदान का वर्णन कीजिए।

19. Throw light on Performance of Music.
संगीत के प्रदर्शन पर प्रकाश डालिये।

20. Explain about Imdad Khani tradition.

इमदाद खानी घरानें को समझाइये।

SECTION - III

खण्ड – III

Note : This section contains five (5) questions from each of the electives / specialisations. The candidate has to choose only one elective / specialisation and answer all the five questions from it. Each question carries twelve (12) marks and is to be answered in about two hundred (200) words.

(12x5=60 marks)

नोट : इस खंड में प्रत्येक ऐच्छिक इकाई/विशेषज्ञता से पाँच (5) प्रश्न हैं। अभ्यर्थी को केवल एक ऐच्छिक इकाई/विशेषज्ञता को चुनकर उसी में से पाँचो प्रश्नों का उत्तर देना है। प्रत्येक प्रश्न बारह (12) अंकों का है व उसका उत्तर लगभग दो सौ (200) शब्दों में अपेक्षित है।

(12x5=60 अंक)

Elective - I

विकल्प – I

HINDUSTANI MUSIC - VOCAL AND INSTRUMENTAL

हिन्दुस्तानी संगीत - गायन एवं वादन

21. Throw light on the possibilities of HARMONY in Indian Music.

भारतीय संगीत में हारमॅनी के प्रयोग की संभावनाओं पर प्रकाश डालिये।

22. How GHARANAS have played their role in the progress and propagation of Indian Music ?

भारतीय संगीत की प्रगति एवं संरक्षण में घरानों की क्या भूमिका रही है?

23. Throw light on the problems of research in Music.

संगीत में अनुसंधान की विभिन्न समस्याओं पर प्रकाश डालिये।

24. Give your views on Guru-Shishya-Parampara.

गुरु–शिष्य परंपरा पर अपने विचार स्पष्ट कीजिए।

25. Discuss the progress of Indian Classical Music in present times.

आधुनिक समय में भारतीय शास्त्रीय संगीत की प्रगति पर अपने विचार स्पष्ट कीजिए।

OR / अथवा

Elective - II

विकल्प – II

KARNATAKA MUSIC - VOCAL, INSTRUMENTAL

कर्नाटक संगीत - गायन, वादन

21. Give an account of the contribution given by the Trinity composers to classical Karnatak Music.

कर्नाटक शास्त्रीय संगीत क्षेत्र को त्रिमूर्ति से दिया हुआ योगदान के बारे में लिखिये।

22. Explain the system of Raga classification in Classical Karnatak Music with suitable examples.

कर्नाटक शास्त्रीय संगीत का रागवर्गीकरण पद्धति का विवरण दीजिए।

23. Discuss the stylistic analysis of the musical compositions composed by Swati Tirunal Maharaj.

स्वाति तिरुनाळ महाराज के संगीत रचनाओं के वैशिष्ट्यता की चर्चा कीजिए।

24. Explain the folk music of your region and the classical musical ragas used in it.

अपने प्रांत के लोक संगीत का विवरण दीजिए और इसमें प्रयोग हुआ शास्त्रीय संगीत रागों के विवरण दीजिए।

25. Discuss the requisite qualities of an ideal composer of classical Karnatak Music.

कर्नाटक शास्त्रीय संगीत के एक उत्तम वाग्गेयकार के अपेक्षित गुणों की चर्चा कीजिए।

OR / अथवा

Elective - III

विकल्प – III

RABINDRA SANGEET

रबीन्द्र संगीत

21. Rabindranath told 'Art is never an exhibition but a revelation'. Explain the ideas of this comment.

रबीन्द्रनाथ ने कहा है, 'कला प्रदर्शन कभी नहीं है बल्कि वह ज्ञान प्रदायक अनुभव है।' इस कथन के विचार को स्पष्ट करें।

22. Tagore wrote in his 'Talks in China' that 'I do not hesitate to say that my songs have found their place in the heart of my land, along with her flowers that are never exhausted, and that the folk of the future, in days of Joy or Sorrow or festival, will have to sing them. This too is the work of a revolutionist'.

How far this comment is relevant is this twenty first century.

टैगोर ने अपने 'चीन में वार्ता' लेख में लिखा है कि, मैं यह कहने से हिचकिचाता नहीं हूँ कि मेरे गीतों ने मेरी मातृ भूमि के हृदय में, उसके फूलों के साथ-साथ स्थान पा लिया है, कि वे कभी निशेष नहीं होंगे और कि भावी लोग, खुशी या दु:ख या उत्सव के दिनों में उन्हें गाना पसन्द करेंगे। यह भी क्रान्तिकारी का कार्य है।

इस इक्कीसवीं शताब्दी में यह टिप्पणी कहां तक प्रासंगिक है?

23. Tagore wrote 'I do not know what I do, Possibly, that is the best way of doing things in the sphere of art. For I find that people behave, but also sing my songs, even if not always correctly', what is your opinion of this statement ?

टैगोर ने लिखा- 'मैं नहीं जानता हूँ कि क्या करुं। शायद कला के क्षेत्र में कार्य करने का यह श्रेष्ठ तरीका है। क्योंकि मैंने देखा है कि, लोग दोष देते हैं, परन्तु वे मेरे गीत गाते भी हैं, चाहे हमेशा ठीक-ठीक नहीं गाते हैं।'

इस कथन के बारे में आपकी क्या राय है?

24. Tagore told to Roma Rolland 'In India we have the other extreme. The singer often takes too much Liberty with the music, ... The singer must therefore be a true artist and not merely an arisen."

How far this statement is relevent today also, discuss.

टैगोर ने रोमा रोलैंड को कहा है 'भारत में एक ओर छोर है। गायक अक्सर संगीत का अत्यधिक लाभ उठाता है... इसलिये गायक को वास्तविक (सच्चा) कलाकार होना चाहिए और मात्र शिल्पी नहीं होना चाहिए।'

वर्तमान समय में यह कथन कहां तक प्रासंगिक है, चर्चा कीजिए।

25. Tagore in conversation with H.G. Wells told 'certain forms of tunes and melodies which move us profoundly seem to baffle western listners; yet as you say, perhaps closer acquaintance with them may gradually lead to their appriciation in the west.'

Do you think the position have changed ? Discuss.

एच.जी. वेल्स् के साथ बातचीत के दौरान टैगोर ने कहा, 'ट्यूनों और मेलोडियों के कुछ रूप जो हमें गहन रूप से प्रभावित करते हैं पाश्चात्य श्रोताओं को चकरा देते हैं, फिर भी जैसा कि आप कहते हैं, उनके साथ ज्यादा घनिष्ट जान-पहचान पाश्चात्य देशों में उन्हें धीरे-धीरे इन गीतों की सराहना की ओर प्रवृत्त कर सकती है।'

क्या आप सोचते हैं कि स्थिति बदल गई है? चर्चा करें।

OR / अथवा

Elective - IV

विकल्प – IV

PERCUSSION INSTRUMENT

अवनद्ध वाद्य

21. Throw light on the special features of TABLA/PAKHAWAJ PLAYING.

पखवाज/तबला वादन की विशेष विशेषताओं पर प्रकाश डालिये।

22. Describing the importance of LAYAKARI. Write any one TAAL in BIAAD.

लयकारी का महत्व बताते हुए किसी एक ताल की बियाड़ लिखिए।

23. Write in short an essay on the usefulness of different percussion instruments.

भारतीय विभिन्न अवनद्ध वाद्यों के प्रयोजन पर एक संक्षिप्त लेख लिखिए।

24. Clarify the reasons regarding the popularity of SOLO-Playing of percussion instruments.

ताल वाद्यों के एकल वादन की लोकप्रियता के कारण समझाइए।

25. Give a short description of TAALA-DASHA-PRANA.

'तालदशप्राण' का संक्षिप्त विवरण दीजिए।

SECTION - IV

खण्ड – IV

Note : This section consists of one essay type question of forty (40) marks to be answered in about one thousand (1000) words on any of the following topics. This question carries 40 marks.

(40x1=40 marks)

नोट : इस खंड में एक चालीस (40) अंकों का निबन्धात्मक प्रश्न है जिसका उत्तर निम्नलिखित विषयों में से केवल एक पर, लगभग एक हजार (1000) शब्दों में अपेक्षित है।

(40x1=40 अंक)

26. Write an essay on any one of the following :

(i) Your favourite Vocal/Instrumental Music Gharana and its specialities.

(ii) Development of Dhrupad Singing.

(iii) Music and Psychology.

(iv) Role of a Teacher in Music Education.

(v) Qualities of an ideal listener.

निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर निबन्ध लिखिए।

(i) आपका प्रिय गायन/वादन का घराना तथा उसकी विशेषताएँ।

(ii) ध्रुपद गायकी का विकास।

(iii) संगीत एवं मनोविज्ञान।

(iv) संगीत शिक्षण के संदर्भ में शिक्षक की भूमिका।

(v) एक उत्तम श्रोता के गुण।

FOR OFFICE USE ONLY							
Marks Obtained							
Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained
1		26		51		76	
2		27		52		77	
3		28		53		78	
4		29		54		79	
5		30		55		80	
6		31		56		81	
7		32		57		82	
8		33		58		83	
9		34		59		84	
10		35		60		85	
11		36		61		86	
12		37		62		87	
13		38		63		88	
14		39		64		89	
15		40		65		90	
16		41		66		91	
17		42		67		92	
18		43		68		93	
19		44		69		94	
20		45		70		95	
21		46		71		96	
22		47		72		97	
23		48		73		98	
24		49		74		99	
25		50		75		100	

Total Marks Obtained (in words) .....

(in figures) .....

Signature & Name of the Coordinator .....

(Evaluation) Date .....